30 नए मामले पाए गए हैं दक्षिण कोरियो में। इससे यहां पीड़ितों की संख्या बढ़कर 10,480 हो गई है। इनमें से करीब सात हजार मरीज बीमारी से उबर भी चुके हैं। गत सोमवार को यहां 51 नए मामले पाए गए थे।

कोरोना वायरस का प्रकोप, अमेरिका में इटली से ज्यादा मौतें

महामारी ▶ एक दिन में रिकॉर्ड 2,100 से ज्यादा पीड़ितों ने दम तोड़ा

ट्रंप बोले, लॉकडाउन खोलना मेरी जिंदगी का होगा सबसे बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसियां : कोरोना महामारी से जूझ रहे अमेरिका में संक्रमित लोगों का आंकड़ा पांच लाख के पार पहुंच चुका है। अब तक पांच लाख 21 हजार से ज्यादा लोगों का टेस्ट पॉजिटिव पाया गया है। बीते 24 घंटे में रिकॉर्ड 2,181 पीड़ितों ने दम तोड़ दिया है। दुनिया में कोरोना से एक दिन में मौत का यह सबसे बड़ा आंकड़ा है। यहां इस महामारी से मरने वालों की संख्या इटली से भी ज्यादा हो गई है। महामारी के चलते दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी ठप पड़ी है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अदृश्य दुश्मन से ठप पड़ी लॉकडाउन को खोलने का जब भी फैसला लिया जाएगा तो वह मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा निर्णय होगा।

आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में अब तक कुल 20,057 कोरोना पीड़ितों की मौत हो चुकी है। जबकि इटली में अब तक 19,468 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रपति ट्रंप ने शुक्रवार को ह्वाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत में कहा, 'नए अनुमानों के अनुसार, देश में मौत का आंकड़ा 60 हजार से नीचे रह सकता है। हालांकि इससे कभी खुशी नहीं हो सकती, लेकिन पहले यह अनुमान लगाया गया था कि कोरोना के चलते अमेरिका में दो लाख लोग मौत के मुंह में जा सकते हैं।'

उन्होंने कोरोना की मार से पटरी से उतर रही अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मसले पर कहा, 'मैं एक फैसला लेने जा रहा हूं और मैं ईश्वर से यही उम्मीद करता हूं कि यह सही फैसला हो, लेकिन मैं बगैर किसी सवाल के कहना चाहूंगा कि यह मेरी जिंदगी का अब तक का सबसे बड़ा फैसला होगा।' ट्रंप ने हालांकि अपने फैसले के एलान के लिए कोई तारीख नहीं बताई। महामारी के चलते 33 करोड़ की आबादी वाले अमेरिका में जनजीवन पूरी तरह ठहर गया है। 97 फीसद आबादी घरों में कैद हैं। कारोबार ठप पड़ा है। हवाई यातायात में 96 फीसद की कमी दर्ज की गई है। करीब 1.7 करोड़ लोग बेरोजगार हो गए। 66 लाख अमेरिकियों ने बेरोजगारी लाभ के लिए आवेदन किए हैं।

न्यूयॉर्क में एक लाख 70 हजार संक्रमित : अमेरिका में कोरोना महामारी का केंद्र बने न्यूयॉर्क राज्य में ही एक लाख 70 हजार से ज्यादा मामले हैं। इस राज्य में अब तक 7,800 से ज्यादा पीड़ितों की जान जा चुकी है। पिछले 24 घंटों में ही यहां 783 लोगों की मौत हुई है। जबकि पड़ोसी राज्य न्यूजर्सी में दो हजार से ज्यादा मौतें हुई हैं और 54 हजार से अधिक संक्रमित हैं। ट्रंप ने कहा कि महामारी के केंद्र न्यूयॉर्क के अस्पतालों में भर्ती होने वाले नए मरीजों की संख्या में कमी आ रही है।

इटली की मदद करने का आदेश : राष्ट्रपति ट्रंप ने कोरोना की मार से जूझ रहे इटली की मदद करने का आदेश दिया है। उन्होंने अधिकारियों को इस यूरोपीय देश को कोरोना से मुकाबला करने के लिए चिकित्सा और मानवीय सहायता मुहैया कराने को कहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एक मेमो में कहा, 'हमारा करीबी और पुराना सहयोगी इटली कोविड-19 महामारी से तबाह हो रहा है। उसकी स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त होने के कगार पर है और अर्थव्यवस्था पर गहरी मंदी का खतरा बढ़ गया है।'

ब्रिटेन के ग्लास्गो स्थित स्कॉटिश इवेंट कैंपस (सीइसी) को अस्थायी अस्पताल में बदल दिया गया है। कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या बढ़ने से अस्पतालों में जगह कम पड़ने लगी है। एएफपी

ट्रंप को रास नहीं आया गूगल-एपल का हाथ मिलाना

वाशिंगटन, एजेंसियां : अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोरोना के मुद्दे पर गूगल और एपल का हाथ मिलाना रास नहीं आया। उन्होंने कहा कि इससे लोगों की निजता प्रभावित होगी और सरकार को इसकी बारीकी से जांच करनी होगी। हालांकि गूगल प्रमुख सुंदर पिचाई और एपल सीईओ टिम कुक ने सफाई देते हुए कहा है कि इस तकनीक से यूजर की गोपनीयता कतई प्रभावित नहीं होगी। बता दें कि दोनों कंपनियों ने मिलकर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग तकनीक बनाने का फैसला लिया है, जिससे इस वायरस के प्रसार को रोकने में मदद मिलेगी। इस तकनीक से सरकार और हेल्थ एजेंसियों को भी फायदा होगा। दरअसल, हेल्थ एजेंसियों का मानना है कि कोरोनावायरस लोगों के एक-दूसरे के नजदीक आने से तेजी से फैलता है, इसलिए गूगल और एपल ने मिलकर ब्लूटूथ की मदद से कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग टेक्नोलॉजी पर काम करने का फैसला किया है। इस टूल के जरिये क्लोज कॉन्टैक्ट में आने वाले लोगों पर नजर रखी जा सकेगी। दोनों कंपनियां मिलकर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग टेक्नोलॉजी पर आधारित एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआइ) डेवलप करने वाली हैं। समय की मांग को देखते हुए दोनों ही कंपनियां इसके लिए यूजर पॉलिसी में कड़े सुरक्षा नियम जोड़ने वाली हैं। जिसे दो चरणों में लागू किया जाएगा। पहले चरण के तहत मई में दोनों ही कंपनियां एपीआइ जारी करेंगी, जो हेल्थ एजेंसियों के साथ मिलकर एंड्रायड और आइओएस के लिए एप डेवलप करेंगी, जिसे यूजर्स अपने एंड्रायड और आइओएस डिवाइस में डाउनलोड कर सकेंगे। दूसरे चरण में एपल और गूगल ब्लूटूथ पर आधारित कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग प्लेटफॉर्म तैयार करेंगे, जो दोनों ही डिवाइसेज पर काम करेंगी। एपीआइ के मुकाबले ये ज्यादा बेहतर होगा, क्योंकि इसमें ज्यादा से ज्यादा लोग हिस्सा ले सकेंगे और संक्रमण को फैलने से रोकने में मदद मिलेगी।

अपने नागरिकों को नहीं बुलाने वाले देशों पर अमेरिका सख्त

▶ ट्रंप ने नए वीजा प्रतिबंधों का एलान किया

वाशिंगटन, प्रेटू : कोरोना महामारी के दौरान अपने नागरिकों को अमेरिका से नहीं बुलाने वाले देशों के प्रति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। उन्होंने ऐसे देशों के नागरिकों पर नए वीजा प्रतिबंध लगाने का एलान किया है। ट्रंप ने शुक्रवार को वीजा प्रतिबंधों के लिए आदेश जारी किया, जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गया। यह इस साल 31 दिसंबर तक प्रभावी रहेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने इस संबंध में जारी आदेश में कहा, 'जो देश महामारी के दौरान अमेरिका से अपने नागरिकों को बुलाने से इन्कार कर रहे हैं या बिना वजह देरी कर रहे हैं, वे अमेरिकियों के स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा कर रहे हैं, जो किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है।' आतंरिक सुरक्षा मंत्री और विदेश मंत्री को दिए निर्देश में राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिका उन विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजे, जो अमेरिकी कानूनों का उल्लंघन कर रहे हैं। इस संबंध में आंतरिक सुरक्षा मंत्री प्रक्रिया की शुरुआत करेंगे। वह उन देशों की पहचान करेंगे, जिन्होंने अपने नागरिकों को स्वदेश बुलाने के अमेरिका के अनुरोध पर ध्यान नहीं दिया है। इसके बाद वह विदेश मंत्री को इस संबंध में जानकारी देंगे। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि ऐसी जानकारी मिलने के सात दिनों के अंदर विदेश मंत्री ऐसे देशों पर वीजा प्रतिबंध लगाएंगे, जो अपने नागरिकों को वापस नहीं बुला रहे हैं। वहीं दूसरी ओर एक ट्वीट में ईस्टर की जगह गुड फ्राइडे की बधाई देने पर सोशल मीडिया पर ट्रंप ट्रोल हो गए।

वाशिंगटन स्थित व्हाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। रायटर

डब्ल्यूएचओ फंडिंग पर अगले हफ्ते निर्णय लेंगे ट्रंप

वाशिंगटन, प्रेटू : अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पर चीन केंद्रित होने का आरोप दोहराते हुए कहा कि वह इस वैश्विक संगठन को अमेरिका से मिलने वाले फंड पर अगले हफ्ते निर्णय का एलान करेंगे। डब्ल्यूएचओ को अमेरिका से हर साल 50 करोड़ डॉलर (करीब 3,800 करोड़ रुपये) का फंड मिलता है। ट्रंप ने इस हफ्ते के शुरू में डब्ल्यूएचओ को चीन केंद्रित होने का आरोप लगाते हुए कहा था कि उसने महामारी के बारे में सही समय पर सही जानकारी नहीं दी। साथ ही इस संगठन की फंडिंग भी रोकने की धमकी दी थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा, 'डब्ल्यूएचओ पर अगले हफ्ते एक घोषणा करने जा रहे हैं।'

23 मार्च के बाद स्पेन में पहली बार घटी मृतकों की संख्या

मैड्रिड, एजेंसियां: स्पेन में पिछले चौबीस घंटों में कोरोना वायरस से 510 लोगों की मौत हुई है। इस तरह स्पेन में मृतकों की संख्या 16,353 हो गई है। 23 मार्च के बाद यह पहला मौका जब एक दिन में मृतकों की संख्या इतनी कम है। संक्रमण के 4800 नए मामले सामने आए हैं। देश में कुल संक्रमितों की संख्या 161,852 हो गई है। इटली और अमेरिका के बाद महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित स्पेन के लिए मौत और संक्रमण के आंकड़ों में कमी एक उत्साहजनक संकेत है।

स्पेन में लॉकडाउन को खोलने के क्रमिक उपायों पर विचार शुरू हो गया है। सोमवार से निर्माण और मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में श्रमिकों को काम की अनुमति होगी। हालांकि स्पेन ने फ्रांस और पुर्तगाल से लगती सीमा पर आवाजाही पर प्रतिबंध को दो सप्ताह और बढ़ा दिया है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि क्योंकि कुछ कंपनियां फिर से खुल रही हैं, इसलिए सोमवार से मेट्रो और ट्रेन के स्टेशनों पर मास्क बांटे जाएंगे। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों से लॉकडाउन का सख्ती से पालन करने का अनुरोध किया है।

ईरान में 125 और लोगों की मौत : ईरान में पिछले चौबीस घंटे में 125 और लोगों की मौत हुई है। देश में मृतकों की संख्या 4,357 हो गई है। 1837 संक्रमण के नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या 70,029 हो गई है। ईरान में अभी तक 251,703 लोगों का टेस्ट किया जा चुका है। 41,947 लोगों को जहां अस्पताल से छुट्टी दी जा चुकी है वहीं 3,987 लोगों की हालत गंभीर है।

ब्राजील में अमेजन जनजाति के 15 वर्षीय लड़के की मौत : ब्राजील में अमेजन जनजाति के एक 15 वर्षीय लड़के की कोरोना से मौत हो गई। उसे श्वसन संबंधी दिक्कतों के चलते गुरुवार रात अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जनजाति के लिए काम करने वाली एक संस्था का कहना है कि यह लड़का कई अन्य के संपर्क में रहा है। संस्था ने लड़के को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिलने का आरोप लगाया। ब्राजील में 19,638 लोग संक्रमित हैं और 1056 लोगों की मौत हो चुकी है। देश की व्यावसायिक राजधानी साओ पॉलो सर्वाधिक प्रभावित है। विशेषज्ञों ने अप्रैल के आखिरी में महामारी के चरम पर पहुंचने की आशंका जताई है।

पाकिस्तान के ईसाइयों पर कोरोना की मार : पाकिस्तान में पहले से अछूत बनकर जी रहे ईसाइयों पर कोरोना की मार पड़ी है। आमिर गिल नाम के एक क्लीनर को उसके मालिक ने ईस्टर से एक दिन पहले से बिना किसी चेतावनी के काम से निकाल दिया। गिल ने कहा कि हम तो पहले से ही अछूत थे और अब अमीर लोग समझते हैं कि हम इस महामारी को उनके घर नहीं ले आएं। उधर, पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोरोना के पांच मरीजों की मौत हुई है। इस तरह देश में मृतकों की संख्या 71 हो गई।

स्पेन के सेवेरो ओचोआ हॉस्पिटल में कोरोना के मरीजों का इलाज करने के दौरान जान गंवाने वाले मेडिकल स्टाफ के लिए श्रद्धांजलि सभा के दौरान कई कर्मचारियों की आंखों में आंसू छलक आए। एएफपी

देश	मौतें	संक्रमित
इटली	19468	147,577
अमेरिका	20057	505,237
स्पेन	16353	161,852
फ्रांस	13,197	124,869
ब्रिटेन	9875	78991
ईरान	4357	70,029
चीन	3339	81,953

▶ पिछले चौबीस घंटों में 510 लोगों की गई जान, मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 16,353

भारत के मछुआरों से कोरोना की महामारी नहीं फैले, इसके लिए श्रीलंका की नौसेना ने पेट्रोलिंग बढ़ा दी है।

काबुल स्थित राष्ट्रपति के महल के 20 कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव मिले।

जापान ने अपने नागरिकों से बार और रेस्तरां नहीं जाने की अपील की है। जापान में सात अप्रैल को आपातकाल की घोषणा की गई थी। अभी तक वहां संक्रमण से 100 लोगों की मौत हो चुकी है।

कांगो इबोला के साथ ही कोरोना की महामारी से जूझ रहा है। वहां पर पिछले 18 महीनों के दौरान इबोला से दो हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है।

क्यूबा ने अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों की आलोचना की है। यहां पर अब तक 15 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 564 लोग संक्रमित हैं।

मैक्सिको के समुद्र तटीय शहरों में कोई घुस नहीं सके, इसके लिए वहां के लोगों ने सड़कों को विभिन्न अवरोधों के माध्यम से बंद कर दिया है। अगर कोई भी इन शहरों में घुसने की कोशिश करेगा तो उसे 12 दिनों तक क्वारंटाइन में रहना होगा।

10 दिनों के इलाज के बाद तुर्की में एक 93 साल का व्यक्ति ठीक हुआ है।

स्वीडन में संक्रमण के डर से अस्पताल और नर्सिंग होम में काम करने से कतरा रहे हैं। यहां पर अब तक संक्रमण से 900 लोगों की मौत हो चुकी है।

40 से अधिक भारतवंशियों की जान गई

1,500 ज्यादा भारतीय मूल के लोग कोरोना से संक्रमित

वाशिंगटन, प्रेटू : कोरोना वायरस से जूझ रहे अमेरिका में बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग भी महामारी की चपेट में बताए जा रहे हैं। भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों ने बताया कि अमेरिका में 40 से ज्यादा भारतवंशियों और भारत से आए नागरिकों की मौत हो चुकी है। जबकि वायरस से संक्रमित भारतीय मूल के लोगों की संख्या 1,500 से ज्यादा हो सकती है।

अमेरिका में महामारी से न्यूयॉर्क और न्यूजर्सी सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। इन दोनों राज्यों में भारतीय मूल की बड़ी आबादी रहती है। भारतीय समुदाय के नेताओं के हवाले से यह बताया गया है कि कोरोना से मरने वाले भारतवंशियों में से 17 का ताल्लुक केरल, दस का गुजरात, चार का पंजाब, दो का आंध्र प्रदेश और एक का ओडिशा से था। जबकि कोरोना से 12 भारतीय नागरिकों के भी मरने की खबर है।

न्यूजर्सी में रियल एस्टेट का कारोबार करने वाले भावेश दवे ने कहा, 'हमने ऐसी स्थिति कभी नहीं देखी।' कोरोना से जान गंवाने वालों में सननोवा एनालिटिकल इंक के सीईओ हनमंत राव भी हैं। न्यूजर्सी के एडिसन में उनकी मौत हुई। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। भारतवंशियों में लोकप्रिय और न्यूजर्सी शहर में रहने वाले चंद्रकांत अमीन की भी मौत हो गई। वह 75 साल के थे। समुदाय के नेताओं का अनुमान है कि भारतीय मूल के 400 से ज्यादा लोग न्यूजर्सी और एक हजार से अधिक न्यूयॉर्क में कोरोना पॉजिटिव हैं।

भारतीय संगठन ने जुटाए पांच लाख डॉलर : अमेरिका में भारतीय समुदाय के एक गैर-लाभकारी संगठन इंडियास्पोरा ने कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए चंदे के तौर पर पांच लाख डॉलर (करीब 3.80 करोड़ रुपये) एकत्र किए हैं। इस संगठन ने बताया कि चंदा जुटाने का अभियान जारी है और हम लोगों तक मदद पहुंचा रहे हैं।

दक्षिण कोरिया में लोग दोबारा पाए जा रहे पॉजिटिव

सियोल, रायटर : कोरोना महामारी पर बहुत हद तक अंकुश लगाने में सफल रहे दक्षिण कोरिया में बीमारी से उबर चुके कई लोग जांच में दोबारा संक्रमित पाए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि कोरोना मुक्त घोषित किए गए 91 रोगियों का टेस्ट फिर पॉजिटिव आया है।

दक्षिण कोरिया के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (केसीडीसी) के निदेशक जियोंग ईयून-कियोंग ने यह आशंका जताई कि वायरस दोबारा सक्रिय हो सकता है। जबकि दूसरे स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि यह अभी स्पष्ट नहीं है कि इस प्रवृत्ति की क्या वजह है? इसकी जांच की जा रही है। केसीडीसी के अनुसार, देश में कोरोना के 30 नए मामले पाए गए हैं। इससे पीड़ितों की संख्या बढ़कर 10,480 हो गई है। इनमें से करीब सात हजार पीड़ित उबर चुके हैं। गत सोमवार को 51 नए मामले पाए गए थे।

एशिया में चीन के बाद कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित दक्षिण कोरिया में नए मामलों में लगातार कमी दर्ज की जा रही है। इस देश में महामारी का केंद्र बने देगू शहर में करीब दो माह बाद पहली बार कोई नया मामला भी सामने नहीं आया। अकेले देगू में ही 6,807 मामले पाए गए थे। लोगों में दोबारा संक्रमण के मामले सामने आना चिंताजनक है।

▶ कोरोना मुक्त घोषित किए गए 91 रोगी जांच में मिले संक्रमित

क्वारंटाइन का उल्लंघन करने वालों पर रखी जाएगी नजर

समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कलाई पर पहनने योग्य एक ट्रैकिंग रिस्टबैंड के जरिये उन लोगों पर नजर रखी जाएगी, जो क्वारंटाइन आदेश का उल्लंघन करते हैं।

चीन में संक्रमण के 46 नए मामले, तीन लोगों की जान गई

बीजिंग, एजेंसियां : दुनिया को महामारी के कुचक्र में फंसाने वाले चीन में कोरोनावायरस संक्रमण के 46 नए मामले सामने आए हैं। इनमें से चार घरेलू संक्रमण के हैं। एक दिन पहले संक्रमण की संख्या 42 थी। कोरोनावायरस के 34 ऐसे मामलों का भी पता चला है, जिनमें संक्रमण के कोई लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं। चीन में इस वैश्विक महामारी से तीन और लोगों की मौत हो जाने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 3,339 हो गई है।

चीन के राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) के अनुसार, देश के मुख्य भूभाग में शुक्रवार तक विदेशों से आए संक्रमित लोगों की संख्या 1,183 दर्ज थी। इनमें से 449 लोगों को उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और 734 लोगों का उपचार किया जा रहा है इनमें से 37 की हालत गंभीर है। आयोग ने बताया कि देश में संक्रमित लोगों की कुल संख्या शुक्रवार को 81,953 हो गई, जिनमें 1,089 मरीजों का अभी उपचार चल रहा है। 77,525 लोगों को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है और 3,339 लोगों की इस संक्रमण से मौत हो गई है। हालांकि महामारी से सबसे ज्यादा प्रभावित हुबेई प्रांत में लगातार सातवें दिन संक्रमण का कोई मामला सामने नहीं आया, लेकिन नए मामलों की संख्या बढ़ने के बीच चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने कार्यस्थलों पर कड़ी निगरानी रखने का आदेश दिया है। चिनफिंग का यह आदेश ऐसे समय में आया है, जब चीन ने इस वैश्विक महामारी के खिलाफ दो महीने से अधिक समय तक चले संघर्ष के बाद हाल ही काम और उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है।

रूस से लगते सीमावर्ती प्रांतों में बढ़ रहा संक्रमण : चीन के जिन प्रांतों की सीमा रूस से लगती है, वहां पर संक्रमण में बढ़ोतरी देखी जा रही है। उत्तरी-पूर्वी हेइलोंगजियांग प्रांत के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार को यहां पर संक्रमण के कुल 23 नए मामलों का पता चला, इनमें 22 चीनी नागरिक रूस से राजधानी हार्बिन पहुंचे थे। इसी तरह इनर मंगोलिया में शनिवार सुबह तक संक्रमण के 27 मामले दर्ज किए हैं। ये सभी लोग भी रूस से यहां आए हैं।

अफ्रीकी समुदाय ने लगाया उत्पीड़न का आरोप : दक्षिणी चीन के सबसे बड़े शहर गुआंग्झू में रहने वाले अफ्रीकी समुदाय के लोगों ने संक्रमण के संदेह में स्थानीय अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि उनसे ना केवल घर खाली कराए जा रहे हैं बल्कि क्वारंटाइन में भेजने के साथ ही बड़े पैमाने पर टेस्टिंग भी कराई जा रही है। उधर, डेढ़ करोड़ की आबादी वाले इस औद्योगिक जिले के स्थानीय अधिकारियों के मुताबिक आठ लोग बीमारी से पीड़ित मिले थे।

चीन के वुहान शहर में निर्मित किए गए अस्थायी अस्पतालों का एरियल व्यू। संक्रमितों की संख्या कम होने की वजह से फिलहाल इन अस्पतालों को बंद कर दिया गया है। हालांकि देश में संक्रमण के नए मामले भी सामने आए हैं। एपी

पूरे देश में कुत्ते का मांस खाने पर रोक की तैयारी

शंघाई, रायटर: शेंजेन प्रांत के बाद चीन सरकार ने अब पूरे देश में कुत्तों का मांस खाने पर रोक लगाने की तैयारी कर ली है। इस आशय का एक मसौदा प्रस्ताव कृषि मंत्रालय ने तैयार किया है। इसके मुताबिक, चीन में अब कुत्तों को पशुधन नहीं बल्कि पालतू जानवर माना जाएगा। पशु संरक्षण की दिशा में मसौदा प्रस्ताव को गेमचेंजर माना जा रहा है। बता दें कि अभी तक चीन में मांस के लिए कुत्ते और बिल्लियों को बड़े पैमाने पर मौत के घाट उतारा दिया जाता है। मसौदे के मुताबिक, 'मानव सभ्यता की प्रगति और जानवरों के संरक्षण के प्रति लोगों की बढ़ती चिंता व प्यार के मद्देनजर कुत्ते अब 'साथी पशु' बन गए हैं।अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इन्हें पशुधन नहीं माना जाता है। आगे से अब चीन में भी कुत्तों को पशुधन के तौर पर नहीं गिना जाएगा।' इस मसौदे की गाइडलाइन बुधवार को प्रकाशित की गई और इस पर आम लोगों से राय मांगी गई है। चीन सरकार का यह फैसला कोरोना से उपजे खौफ का परिणाम है। पिछले महीने ही प्रतिबंध लगाने वाली शेंजेन प्रांत की सरकार ने कहा कि कुत्ते और बिल्ली इंसानों के काफी करीब हैं और कई अन्य देशों में भी इनके मांस खाने पर प्रतिबंध है।

उठाया कदम

वाणिज्य मंत्रालय ने हफ्ते भर पहले प्रतिबंध हटाया था, कोरोना संक्रमण के इलाज में अचूक हथियार मानी जा रही है यह दवा, अमेरिका समेत कई देशों में मलेरिया रोधी दवाइयों की मांग

पाक में मलेरिया रोधी दवा के निर्यात पर पाबंदी

इस्लामाबाद, प्रेटू : पाकिस्तान ने कोरोना वायरस के खिलाफ जंग में अचूक हथियार मानी जाने वाली मलेरिया रोधी दवा के निर्यात पर फिर तत्काल प्रभाव से पाबंदी लगा दी है। अमेरिका समेत कई देशों में इस दवा का कोरोना वायरस से संक्रमित रोगियों के लिए इलाज के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

शुक्रवार को वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक कोरोना वायरस पर गठित राष्ट्रीय समन्वय समिति (एनसीसी) जब तक जरूरी समझेगी तब तक यह पाबंदी लगा रहेगी। करीब हफ्ते भर पहले ही मंत्रालय ने निर्यात पर पाबंदी हटाने का आदेश जारी किया था। लेकिन एक बार फिर मलेरिया-रोधी दवाइयों के निर्यात पर पाबंदी लगा दी गई है। मलेरिया-रोधी दवाइयों खासकर हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन की दुनियाभर में मांग बढ़ी है। अमेरिकी फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ने हाइड्रोक्सीक्लोरोक्विन को कोरोना वायरस के लिए इलाज में इस्तेमाल करने के लिए स्वीकृत की गई है।

दैनिक समाचार पत्र डॉन के मुताबिक पाकिस्तान में इस मसले को लेकर भ्रम की स्थिति है कि मलेरिया-रोधी दवा के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने का अधिकार वाणिज्य विभाग के पास है या राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के पास। इससे पहले, वाणिज्य विभाग ने मास्क के निर्यात पर पाबंदी लगाने के ड्रग रेग्यूलेटरी अथॉरिटी ऑफ पाकिस्तान के पत्र को अनुचित करार दिया था।

वहीं, आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक एनसीसी की बैठक के मद्देनजर वाणिज्य विभाग ने तीन अप्रैल को पत्र जारी कर सभी तरह की मलेरिया-रोधी दवा के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी थी। उसके बाद यह तय किया गया था कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय मलेरिया-रोधी दवाइयों के निर्यात पर प्रतिबंध की मंजूरी के लिए संघीय कैबिनेट के सामने प्रस्ताव रखेगा। छह अप्रैल को कैबिनेट की बैठक में पाबंदी को मंजूरी दे दी गई।

लेकिन वाणिज्य मंत्रालय ने छह अप्रैल को एक अन्य आदेश जारी करते हुए प्रतिबंध लगाने संबंधी तीन अप्रैल के अपने आदेश को वापस ले लिया था। बाद में इन दवाइयों के निर्यात पर पाबंदी संबंधी कैबिनेट के फैसले को अमल में लाने के लिए वाणिज्य मंत्रालय ने नौ अप्रैल को नई अधिसूचना जारी की। शुक्रवार को मीडिया को इस अधिसूचना के बारे में जानकारी दी गई। पाकिस्तान में लगभग 20 कंपनियां मलेरिया-रोधी दवाइयां बनाती हैं।

पाकिस्तान में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी बढ़ रहे हैं। पाकिस्तान में संक्रमितों की संख्या पांच हजार के करीब पहुंच गई है। अब तक 71 लोगों की मौत हो चुकी है और 50 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

इमरान खान। फाइल

वेंटीलेटर मिलने में देरी से गई चीन में बहुत से लोगों की जान

बीजिंग, प्रेटू: वेंटीलेटर मिलने में हुई देरी के चलते चीन में बहुत से लोगों की जान चली गई। एक अध्ययन के अनुसार, चीन में कोरोना महामारी से मरने वाले केवल 20 फीसद लोगों को ही मैकेनिकल वेंटीलेटर की सुविधा मिल सकी।

बता दें कि वेंटीलेटर मुख्य रूप से दो तरह के होते हैं। पहला मैकेनिकल वेंटीलेशन और दूसरा नॉन इनवेसिव वेंटीलेशन। मैकेनिकल वेंटीलेटर के ट्यूब को मरीज के सांस नली से जोड़ दिया जाता है, जो फेफड़े तक ऑक्सीजन ले जाता है। दूसरे प्रकार के वेंटीलेटर को सांस नली से नहीं जोड़ा जाता है, बल्कि मुंह और नाक को कवर करते हुए एक मास्क लागाया जाता है जिसके जरिये इस प्रक्रिया को अंजाम दिया जाता है। जर्नल ऑफ द अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन में प्रकाशित शोध में वुहान के 21 अस्पतालों का आकलन किया गया है।

टहलकर, फिल्में देखकर, पहेलियां सुलझाकर समय बिता रहे जॉनसन

लंदन, प्रेटू : कोरोना वायरस से संक्रमित ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की हालत में अब सुधार हो रहा है। वह यहां एक अस्पताल के कक्ष में कुछ देर टहलकर, फिल्में देखकर, सुडोकू खेलकर और पहेलियां सुलझाकर समय बिता रहे हैं। लंदन के सेंट थॉमस अस्पताल में भर्ती जॉनसन के स्वास्थ्य पर चिकित्सक निकटता से नजर रख रहे हैं। 'डॉउनिंग स्ट्रीट' के एक प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री अब आराम करने के बीच कुछ देरी तक टहल पाने में सक्षम हैं। उनकी हालत में सुधार हो रहा है। उन्होंने अपने चिकित्सकों से बात की और अपनी देखभाल करने वाली पूरी टीम का शुक्रिया अदा किया। इस बीमारी से प्रभावित हुए लोगों के साथ उनकी संवेदनाएं हैं।

उन्होंने बताया कि जॉनसन के स्वास्थ्य के बारे में अस्पताल अब दिन में केवल एक बार जानकारी देगा। 'द टाइम्स' ने सूत्रों के हवाले से बताया कि जॉनसन के स्वास्थ्य में काफी सुधार हुआ है और वह अस्पताल के बिस्तर पर लेटकर 'लॉर्ड ऑफ द रिंग्स' और 'विदनेल एंड आई' जैसी फिल्में देख रहे हैं और सुडोकू खेल रहे हैं। डाउनिंग स्ट्रीट ने इस बात की पुष्टि नहीं की कि जॉनसन को उनकी गर्भवती मंगेतर कैरी साइमंड्स समेत किसी से मिलने की अभी अनुमति दी गई है या नहीं। लेकिन, लोगों ने उन्हें हजारों कार्ड भेजे हैं, जिनमें उनके स्वस्थ होने की कामना की गई है। जॉनसन को गुरुवार को आइसीयू से अस्पताल के वार्ड में लाया गया था।

बोरिस जॉनसन की फाइल फोटो। रायटर

ब्रिटिश पीएम के स्वास्थ्य पर चिकित्सक निकटता से रख रहे नजर, हजारों लोगों ने कार्ड भेजकर स्वस्थ होने की कामना की